



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 99]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 3, 2003/फाल्गुन 12, 1924

No. 99]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 3, 2003/PHALGUNA 12, 1924

वित्त एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(राजस्वविभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2003

सं. 19/2003-सीमाशुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 185(अ).—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 75 की उप-धारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियम, 1995 का और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, नामतः—

1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ. —(1) इन नियमों को सीमा और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी (संशोधन) नियम, 2003 कहा जाएगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियम, 1995 में,—

(क) नियम 2 के खंड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः—

“(ग) “निर्यात”, इसके व्याकरणिक परिवर्तन और सजातीय अभिव्यक्तियों के साथ तात्पर्य है भारत से भारत के बाहर किसी स्थान की ले जाना अथवा घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) में किसी स्थान से किसी विशेष आर्थिक जोन में ले जाना और इसमें किसी विदेशी पत्तन को जाने वाले किसी जलयान अथवा वायुयान पर प्रयोग के लिए खाद्य सामग्री अथवा भंडार अथवा उपस्कर का लदान शामिल है”।

(ख) नियम 16क में उप-नियम (1) में,—

(i) “विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46)” शब्दों, अंकों और कोष्ठकों के लिए “विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (1999 का 42)” शब्द, अंक और कोष्ठक प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(ii) अंत में निम्नलिखित उपबंध जोड़ा जायेगा, नामतः—

“बशर्ते कि इस उप-नियम में उल्लिखित समय-सीमा घरेलू टैरिफ क्षेत्र से किसी विशेष आर्थिक जोन को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं पर लागू नहीं होगी।”

[फा. सं. 602/2/2002-प्रतिअदायगी]

एस. एस. रन्जन, संयुक्त सचिव

टिप्पणी :—सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियम, 1995, दिनांक 26 मई, 1995 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 37/95-सीमाशुल्क (गै. टै.) के तहत अधिसूचित किए गए थे जिन्हें 26 मई, 1995 की सा.का.नि.सं. 441 (अ) के तहत भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किया गया तथा इनमें अंतिम बार संशोधन 11 मई, 1999 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 29/99-सीमाशुल्क (गै. टै.) द्वारा किया गया था जिसे 11 मई, 1999 को सा.का.नि. सं. 334 (अ) के तहत भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 2003

No. 19/2003-CUSTOMS (N.T.)

G.S.R. 185(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 75 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Drawback (Amendment) Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995,—

(a) in rule 2, for clause (c), the following clause shall be substituted, namely :—

“(c) “export”, with its grammatical variations and cognate expressions, means taking out of India to a place outside India or taking out from a place in Domestic Tariff Area (DTA) to a special economic zone and includes loading of provisions or store or equipment for use on board a vessel or aircraft proceeding to a foreign port;”

(b) in rule 16A, in sub-rule (1),—

(i) for the words, figures and brackets, “the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973)”, the words, figures and brackets, “The Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999)”, shall be substituted;

(ii) the following proviso shall be inserted at the end, namely :—

“Provided that the time-limit referred to in this sub-rule shall not be applicable to the goods exported from the Domestic Tariff Area to a special economic zone.”

[F. No. 602/2/2002-DBK]

S. S. RENJHEN, Jt. Secy.

Note : The Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995, were notified vide Customs notification No. 37/95-Cus. (NT) dated 26th May, 1995 which was published in the Gazette of India (Extraordinary,) vide GSR No. 441 (E) dated the 26th May 1995 and was last amended by Customs notification No. 29/99-Cus. (NT) dated 11th May, 1999, published in the Gazette of India (Extraordinary), vide GSR No. 334 (E) dated the 11th May, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2003

सं. 20/2003-सीमाशुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 186(अ).—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 75 की उप-धारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियम, 1995 का और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, नामतः—

1. **संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों को सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी (संशोधन) नियम, (सं. 2) 2003 कहा जाएगा।

2. ये 1 अप्रैल, 2003 से लागू होंगे।

3. सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियम, 1995 (जिसे इसके बाद उक्त नियम कहा जाएगा) में, नियम 6 में,—

(1) उप-नियम 1 में,—

(i) खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः—

“(क) जहां किसी माल के संबंध में किसी राशि अथवा प्रतिअदायगी दर का निर्धारण नहीं किया गया है, ऐसे माल का कोई निर्यातक अथवा निर्यातक नियम (5) के उपनियम (3) की शर्तों के अनुसार राशि तथा प्रतिअदायगी की दर को लागू करने की संगत तारीख से साठ दिनों के अन्दर—अन्दर उस केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को जिस के क्षेत्राधिकार में निर्माणकर्ता निर्यातक अथवा समर्थक निर्यातक की निर्माणकारी इकाई आती हो, जैसा भी मामला हो, राशि अथवा प्रतिअदायगी की दर का निर्धारण करने के लिए लिखित में आवेदन करेगा और इसमें सभी प्रासंगिक तथ्यों का उल्लेख करेगा जिनमें माल के उत्पादन अथवा निर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों अथवा संघटकों का अनुपात भी शामिल है एवं ऐसी सामग्रियों अथवा संघटकों पर प्रदत्त शुल्कों का उल्लेख भी करना होगा ;

बशर्ते कि ऐसा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, यदि वे इस बात से सन्तुष्ट हों कि निर्यातक अथवा निर्यातक को उपर्युक्त समय के भीतर आवेदन दायर करने से रोके जाने का पर्याप्त कारण है, वे ऐसे निर्यातक अथवा निर्यातक को तीस दिनों की और अवधि में ऐसा आवेदन देने की अनुमति दे सकते हैं।

(ii) खंड (ख) में, “केन्द्रीय सरकार”, शब्दों के स्थान पर “केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो,” शब्द रखे जाएंगे ;

(2) उप-नियम 2 में,—

(i) खंड (क) में, “केन्द्रीय सरकार”, शब्दों के स्थान पर “केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो,” शब्द रखे जाएंगे ;

(ii) खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा नामतः —

“(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, आवेदन पर विचार करने के बाद, अनन्तिम रूप से ऐसे निर्यातक के संबंध में ऐसी राशि के भुगतान की अनुमति दे सकते हैं जो निर्यातक द्वारा दायित्वित रकम से अधिक न हो;

बशर्ते कि आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आयुक्त, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जैसा भी मामला हो, ऐसे निर्यातक के संबंध में अस्थायी प्रतिअदायगी की अंदायगी की अनुमति देने के प्रयोजन हेतु ऐसी राशि के लिए सामान्य बांड लिखने के लिए निर्यातक को आदेश दे सकता है और ऐसी शर्तों के अधधीन वह निदेश दे सकता है अथवा किसी विशेष प्रेषण के संबंध में प्रतिअदायगी के रूप में ऐसे निर्यातक द्वारा दावा की गई पूर्ण राशि से अनधिक राशि के लिए बांड लिखने के लिए उसको बाध्य कर सकता है,—

(i) अस्थायी रूप से अनुमति दी गई ऐसी राशि की वापसी, यदि किसी कारण से, यह पाया जाता है कि शुल्क वापसी वीकार्य नहीं थी; अथवा

(ii) अस्थायी रूप से ऐसे निर्यातक को अदा की गई अधिक राशि की वापसी, यदि कोई हो, यदि यह पाया जाता है कि शुल्क वापसी के रूप में कम राशि देय थी।

बशर्ते कि ऐसी वस्तुओं पर देय प्रतिअदायगी की राशि अथवा दर जब अंतिम रूप से निर्धारित की जाती है तब ऐसे निर्यातक को अस्थायी रूप से अदा की गई राशि अंतिम रूप से देय प्रतिअदायगी के विरुद्ध समायोजित की जाएगी और यदि इस प्रकार समायोजित की गई राशि अंतिम रूप से देय प्रतिअदायगी से अधिक अथवा कम हो तो ऐसे निर्यातक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को अधिक राशि वापिस अदा अथवा कम राशि के लिए हकदार होगा, जैसा भी मामला हो।

(iii) खंड (ग) में, “आयुक्त, सीमाशुल्क” शब्दों के लिए “आयुक्त, सीमाशुल्क” के स्थान पर “आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो,” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।”

(3) उप-नियम (3) के लिए, निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः—

“(3) जहां केन्द्रीय सरकार ऐसा करना आवश्यक समझती है—

(क) यह आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, द्वारा खंड (ख) के उप-नियम (1) के तहत निर्धारित प्रतिअदायगी की राशि अथवा प्रतिअदायगी की दर रद्द कर सकती है अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो; अथवा

(ख) निर्धारित प्रतिअदायगी की दर अथवा प्रतिअदायगी की राशि वापिस लेने के लिए आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को निदेश दे सकती है”।

4. उक्त नियम के नियम 7 में,—

(i) उप-नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः—

“(1) जहां किन्हीं वस्तुओं के संबंध में निर्माता निर्यातक अथवा निर्यातक यह जानता है कि नियम 3 के तहत निर्धारित प्रतिअदायगी की राशि अथवा दर अथवा नियम 4 के तहत संशोधित, जैसा भी मामला हो, वस्तुओं की श्रेणी के लिए उक्त वस्तुओं के उत्पादन अथवा निर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों अथवा संघटकों पर अदा किए गए शुल्कों की तुलना में 4/5 कम है तो वह नियम (5) के उपनियम (3) की शर्तों के अनुसार राशि तथा प्रतिअदायगी की दर को लागू करने की संगत तारीख से 60 दिनों के अन्दर-अन्दर उस केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को जिस के क्षेत्राधिकार में निर्माणकर्ता निर्यातक अथवा समर्थक निर्माता की निर्माणकारी इकाई आती हो, जैसा भी मामला हो, राशि अथवा प्रतिअदायगी की दर का निर्धारण करने के लिए लिखित में आवेदन करेगा और इसमें सभी प्रासंगिक तथ्यों का उल्लेख करेगा जिनमें मामले के उत्पादन अथवा निर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों अथवा संघटकों का अनुपात भी शामिल है एवं ऐसी सामग्रियों अथवा संघटकों पर प्रदत्त शुल्कों का उल्लेख भी करना होगा;

बशर्ते कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, यदि वे इस बात से सन्तुष्ट हों कि निर्माता अथवा निर्यातक को उपर्युक्त समय के भीतर आवेदन दायर करने से रोके जाने का पर्याप्त कारण है, वे ऐसे निर्माता अथवा निर्यातक को तीस दिनों की और अवधि में ऐसा आवेदन देने की अनुमति दे सकते हैं”।

(2) उप-नियम (2) में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के लिए “आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो,” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(3) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः—

“(3) जहां एक निर्यातक यह चाहता है कि उसे अस्थायी रूप से प्रतिअदायगी स्वीकृत की जाए तो वह उप-नियम (1) के तहत आवेदन करते समय आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को इस ओर से उस नियम के तहत दिए जाने वाले आवेदनों के लिए बनाया गया नियम 6 के उप-नियम (2) के खंड (क) में दी गई व्यवस्था के अनुरूप लिखित रूप में आवेदन कर सकता है तथा अस्थायी प्रतिअदायगी की स्वीकृति को उस रीति के अनुसार एवं उन शर्तों के अधीन माना जाएगा जैसा कि नियम 6 के उप-नियम (2) एवं उप-नियम (3) के खंड (ख) और खंड (ग) में विनिर्दिष्ट किया गया है, बशर्ते की दावेकर्ता द्वारा निष्पादित किया जाने वाला अपेक्षित बंधपत्र केवल राशि अथवा नियम 3 के तहत निर्धारित प्रतिअदायगी की दर अथवा जैसा भी मामला हो, नियम 4 के तहत केन्द्रीय सरकार द्वारा संशोधित प्रतिअदायगी दर के बीच अन्तर के लिए ही होगा और आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, द्वारा प्राधिकृत अस्थायी प्रतिअदायगी इस नियम के तहत होगी”।

“(4) जहां केन्द्रीय सरकार ऐसा करना आवश्यक समझती है—

(क) यह उप-नियम (2) के तहत आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, द्वारा निर्धारित प्रतिअदायगी की दर अथवा राशि को रद्द कर सकती है अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अथवा

(ख) आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को निर्धारित प्रतिअदायगी की दर अथवा प्रतिअदायगी की राशि को वापस लेने का निदेश दे सकती है”।

5. उक्त नियम के नियम 9 में खंड (घ) में “प्रासंगिक अथवा लाभप्रद केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर “प्रासंगिक अथवा लाभप्रद आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो”, शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

6. उक्त नियम के नियम 13 में उपनियम (2) में, खंड (iv) में, “केन्द्रीय सरकार”, शब्दों के लिए “आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो”, शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

7. उक्त नियम के नियम 15 में उप-नियम (1) में—

(i) “केन्द्रीय सरकार”, शब्दों के लिए “आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

- (ii) खंड (क) के द्वितीय परन्तुक में, "सहायक आयुक्त, सीमाशुल्क" शब्दों के स्थान पर "सहायक आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे;
- (iii) खंड (ख) द्वितीय परन्तुक में, "आयुक्त, सीमाशुल्क" शब्दों के स्थान पर "आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा. सं. 609/18/2003-प्रतिअदायगी]

एस. एस. रन्जन, संयुक्त सचिव

टिप्पणी :—सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रतिअदायगी नियम, 1995, दिनांक 26 मई, 1995 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 37/95-सीमाशुल्क (गै. टै.) के तहत अधिसूचित किए गए थे जिन्हें 26 मई, 1995 की सा.का.नि.सं. 441 (अ) के तहत भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किया गया तथा इनमें अंतिम बार संशोधन 3 मार्च, 2003 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 19/2003-सीमाशुल्क (गै. टै.) द्वारा किया गया था जिसे 3 मार्च, 2003 को सा.का.नि. सं. 185(अ) के तहत भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 2003

NO. 20/2003- CUSTOMS (N.T.)

G.S.R 186. (E)— In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 75 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995, namely:—

1. **Short title and commencement**— (1) These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Drawback (Amendment) (No.2) Rules, 2003.
2. They shall come into force on 1st April, 2003.
3. In the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 6,—

(1) In sub-rule 1,—

(i) for clause (a), the following clause shall be substituted namely:—

“(a) Where no amount or rate of drawback has been determined in respect of any goods, any manufactures exporter or exporter of such goods may, with in sixty days from the date relevant for the applicability of the amount or rate of drawback in terms of sub-rule (3) of Rule (5), apply in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, having jurisdiction over the manufacturing unit, of the manufacturer exporter or, of the supporting manufacturer, as the case may be, for determination of the amount or rate of drawback thereof stating all the relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods and the duties paid on such materials or components :

Provided that such Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, may, if he is satisfied that the manufacturer exporter or exporter was prevented by sufficient cause from filing the application within the aforesaid time allow such manufacturer exporter or exporter to file such application within a further a period of thirty day”;

(ii) In clause (b), for the words “Central Government” the words “ Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be”, shall be substituted;

(2) In sub-rule (2),—

(i) In clause (a) for the words “Central Government” the words “Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be”, shall be substituted;

(ii) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely:—

“(b) The Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, may, after considering the application, allow provisionally payment of an amount not exceeding the amount claimed by the manufacturer exporter or exporter in respect of such export:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be may, for the purpose of allowing provisional payment of drawback in respect of such export, require the manufacturer exporter or exporter to enter into a general bond for such amount, and subject to such conditions, as he may direct; or to enter into a bond for an amount not exceeding the full amount claimed by such manufacturer exporter or exporter as drawback in respect of a particular consignment and binding himself,—

- (i) to refund the amount so allowed provisionally, if for any reason, it is found the duty drawback was not admissible; or
- (ii) to refund the excess, if any, paid to such manufacturer exporter or exporter provisionally if it is found that a lower amount was payable as duty drawback :

Provided further that when the amount or rate of drawback payable on such goods is finally determined, the amount provisionally paid to such manufacturer exporter or exporter shall be adjusted against the drawback finally payable and if the amount so adjusted is in excess or falls short of the drawback finally payable, such manufacturer exporter or exporter shall repay to the Commissioner of Central Excise, or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, the excess or be entitled to the deficiency, as the case may be”;

- (iii) In clause (c), for the words “commissioner of Customs” the words “Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be” shall be substituted;
- (3) for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely;—
 - “(3) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may—
 - (a) revoke the rate of drawback or amount of drawback, determined under clause (b) of Sub-rule (1) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be; or
 - (b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate of drawback or amount of drawback determined.”

4. In rule 7 of the said rules,—

- (i) for sub-rule (1), the following rule shall be substituted, namely :—

“(1) Where, in respect of any goods, the manufacturer exporter or exporter finds that the amount or rate of drawback determined under rule 3 or, as the case may be, revised under rule 4, for the class of goods is less than four-fifth of the duties paid on the materials or components used in the production or manufacture of the said goods, he may within sixty days from the date relevant for the applicability of the amount or rate of drawback in terms of sub-rule (3) of rule (5), make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise having jurisdiction over the manufacturing unit, of the manufacturer exporter or, of the supporting manufacturer, as the case may be, for determination of the amount or rate of drawback thereof stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods and the duties paid on such materials or components :

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer exporter or exporter was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer exporter or exporter to make such application within a further period of thirty days.”;

(2) in sub-rule (2), for the words “Central Government” the words “Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be”, shall be substituted;

(3) for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) Where an exporter desires that he may be granted drawback provisionally, he may, while making an application under sub-rule (1), apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing in this behalf in the manner as has been provided in clause (a) of sub-rule (2) of rule 6 for the applications made under that rule and the grant of provisional drawback shall be considered in the manner and subject to the conditions specified in clauses (b) and (c) of sub-rule (2),

and sub-rule (3) of rule 6, subject to the condition that bond required to be executed by the claimant shall only be for the difference between amount or rate of drawback determined under rule 3 or, as the case may be, revised under rule 4 by the Central Government and the provisional drawback authorised by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, under this rule.

“(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may—

- (a) revoke the rate of drawback or amount of drawback determined under sub-rule (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or (b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate of drawback or amount of drawback determined.”

5. In rule 9 of the said rules, in clause (d), for the words “the Central Government to be relevant or useful”, the words, “Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be to be relevant or useful”, shall be substituted.

6. In rule 13 of the said rules, in sub-rule (2), in clause (iv), for the words “Central Government”, the words “Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be”, shall be substituted.

7. In rule 15 of the said rules, in sub-rule (1),—

- (i) for the words ‘Central Government’, the words ‘Central Government or Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be’, shall be substituted;
- (ii) in the second proviso, in clause (a), for the words, “Assistant Commissioner of Customs” the words, “Assistant Commissioner of Customs and Central Excise or Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be”, shall be substituted;
- (iii) in the second proviso, in clause (b), for the words, “Commissioner of Customs”, the words, “Commissioner of Customs and Central Excise or Commissioner of Central Excise, as the case may be”, shall be substituted.

[F.No. 609/18/2003-DBK.]

S. S. RENJHEN, Jt. Secy.

Note: The Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995, were notified vide Customs notification No.37/95-Cus. (NT) dated 26th May, 1995 which was published in the Gazette of India (Extraordinary), vide GSR No.441(E) dated the 26th May, 1995 and was last amended by Customs notification No. 19/2003-Cus. (NT) dated 3rd March, 2003, published in the Gazette of India (Extraordinary), vide GSR No.185(E) dated the 3rd March, 2003.